आइटी व्यावसायियों के सम्मेलन का शुभारम्भ

आबू रोड, 7जनवरी, निस। सूचना के युग में समाज से मिलने वाली सूचनाओं का तेजी से आदान प्रदान हो रहा है। कुछ ही मिनटों में सूचना दुनिया के एक कोने से दूसरें कोने में पहुंच जाती है। परन्तु मनुष्य के अन्दर की सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए आन्तरिक विकास जरूरी है। उक्त उदगार **एचएसई इंजिनियरिंग रिलायंस प्रोजेक्ट प्रबन्धन समूह के उपाध्यक्ष डॉ0 अतुल श्रीवास्तव** ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के मनमोहिनी वन परिसर के ग्लोबल आडिटोरियम में आईटी व्यावसायियों के लिए आयोजित सेमिनार में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आई कर्मचारियों एवं अधिकारियों से कहा कि गलत सूचनाओं के विखराव पर रोक लगनी चाहिए। इस मामले में आईटी से जुड़े लोग बेकाबू होती सोशल मीडिया की रेगुलेशन के बारे में भी सोचना चाहिए। क्योंकि सोशल मीडिया के प्रभाव से दिनों दिन खासकर बच्चों की प्रवृत्ति विगड़ती जा रही है। इससे माता पिता के साथ परिवार और रिश्तेदार भी चिंतित होन लगे हैं। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों के बेहतर उपयोग के लिए राजयोग ध्यान को जीवन में उपयोग कराना जरूरी है।

इस अवसर पर **ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निर्वैर** ने कहा कि जब हम अन्दर से हर प्रकार से सशक्त रहेंगे तभी हम बाहरी चीजों पर भी ध्यान दे सकेंगे। क्योंकि जितना तेजी से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो रहा है उसके लिए जरूरी है कि हम आध्यात्मिक पूर्ण कंटेंट को प्रमुखता दें। इस सम्मेलन में **आईटी विंग की अध्यक्ष डॉ निर्मला** ने कहा कि आज आईटी ने प्रत्येक नागरिक को सूचनाओ के मामले में खुला आसमान दिया है। परन्तु उसमें बेहद सम्भलने की जरूरत है। छोटे से बच्चों से लेकर हर कोई सूचनाओं के प्रवाह में बह रहा है।

कार्यक्रम में **क्यूए इन्फो लिमिटेड के नोएडा के सीईओ मुकेश शर्मा** ने कहा कि जब हमारा मन शांति और स्थिर होता है तो हम हर कार्य को बड़ी आसानी से कर लेते हैं। क्योंकि लोगों को हर सूचना देने के पहले हमेशा सोचने की जरूरत है। इस अवसर पर **क्यूए कम्पनी के संस्थापक रजत शर्मा, आईटी विंग के कोआर्डिनेटर बीके यशवन्त, मुम्बई की बीके श्रेया, बीके सविता** समेत कई लोगों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये।

फोटो, 7एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5 कार्यक्रम का उदघाटन करते अतिथि, सभा में उपस्थित लोग

आध्यात्मिक नगरी माउण्ट आबू में भी बन सकता है बेहतरीन सिरियल- एक्टर तथा मॉडल सिद्धार्थ शुक्ला

आबू रोड, 7 जनवरी, निसं। छोटे पर्दे के चर्चित चेहरे तथा बालिका बधू, अजनबी, दिल से दिल तक, बिग बास 9 के विजेता समेत दर्जन भर धारावाहिकों के एक्टर तथा मॉडल सिद्धार्थ शुक्ला दो दिन तक भागदौड़ भरी वाली जिन्दगी से दूर राजयोग ध्यान और मेडिटेशन करने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि माउण्ट आबू एक आध्यात्मिक नगरी के रूप में पहचान बना रहा है। यहॉ पर अच्छी लोकेशन है और यहॉ अच्छी धारावाहिकें बन सकती है। यहॉ के सरकार को यहॉ के परमिशन तथा अन्य आवश्यकताओं पर ध्यान दे तो यहॉ हर प्रकार की फिल्में भी बन सकती है।

बातचीत करते हुए कहा कि रील लाईफ से रियल लाईफ बिल्कुल अलग है। जब हम सूटिंग और फिल्मों से अलग जब घर में होते है तो एक आम आदमी सरीखे ही लाइफ होती है। मॉता पिता के साथ रहना, घर का काम करना। इसके साथ ही दर्शकों को कभी नहीं सोचना चाहिए कि फिल्म अभिनेताओं की जिन्दगी अलग होती है। फिल्मों द्वारा फैल रही फूहड़ता के सम्बन्ध में पूछे गये सवालों का जबाब देते हुए कहा कि यह सत्य है कि कुछ वर्षों में खुलापन आया है। इससे समाज का असर बुरा तो पड़ रहा है परन्तु दर्शकों को भी ऐसी फिल्में अथवा धारावाहिक देखने कस परहेज करना चाहिए। जिससे कि निर्माता इस तरह के फिल्मों का निर्माण ना करें। सिरोही के युवाओं के बारे में कहा कि यदि मेहनत और कला है तो हर किसी को अवसर मिल सकता है। इसके लिए कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में दो दिनों तक मैने आकर महसूस किया है कि अध्यात्म और राजयोग से मन की शांति प्राप्त की जा सकती है। जो हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। मैं कई संस्थाओं में गया हूॅं परन्तु यहॉ परमात्मा से संवाद करने का सीधा तरीका है। दादी जानकी जी 102 वर्ष की उम्र में भी इतनी उर्जावान है यह सब अध्यात्म का कही कमाल है।

फोटो, सिद्धार्थ शुक्ला।